

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सत्र - १

परीक्षा : दिसंबर - २०२४

विषय : विशेष साहित्यकार - प्रेमचंद (भाग - १) (HC - 102)

दि.: ३०/११/२०२४

कुल अंक : १००

समय : दो. २.०० से दो. ५.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ प्रेमचंद जी के जीवन परिचय को संक्षेप में लिखकर, उनके जीवन दर्शन को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. २ 'गोदान' उपन्यास की कथावस्तु की विशेषताओं को संक्षेप में, सोदाहरण विशद कीजिए।
- प्र. ३ 'गोदान' उपन्यास की समस्याओं को स्पष्ट करते हुए, तत्कालीन सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ४ 'गबन' उपन्यास में वर्णित मध्यवर्ग और तत्कालीन परिवारीक जीवन के यथार्थ को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ५ 'गबन' उपन्यास की विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए, उसकी भाषाशैली पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ६ 'गबन' उपन्यास में चित्रित नारी चरित्रों की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।
- प्र. ७ 'गोदान' के प्रमुख चरित्रों के महत्व को विशद कीजिए।
- प्र. ८ 'गबन' उपन्यास में वर्णित विविध समस्याओं को सोदाहरण विश्लेषित कीजिए।
- प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स-संदर्भ व्याख्या कीजिए।
- १) मैं कोई गैर थोड़े ही हूँ, भैया !
- २) जहाँ देखो - हाय गहने, हाय गहने, गहने के पीछे जान दे दे,
घर के आदमियों को भूखे मारे...
- ३) गरीबों का गला काटना दूसरी बात है,
और दूध का दूध और पानी का पानी कराना दूसरी बात है...
- ४) पुरुष यदि मन का हो तो स्त्री उसके साथ उपवार कर के भी प्रसन्न रहेगी।
- प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
- १) 'गोदान' का होरी
- २) 'गबन' की जालपा
- ३) 'गोदान' शीर्षक की सार्थकता
- ४) 'गबन' में चित्रित राजनीतिक स्थिति।